राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2699

09 अगस्त, 2017 को उत्तर के लिए

इस्पात की मांग और आपूर्ति में अंतर

2699. श्री आर. वैद्यलिंगमः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या इस्पात की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है, जिसके परिणामस्वरूप आयातित इस्पात पर निर्भरता बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने लौह-अयस्क के निर्यात को रोकने के लिए इस्पात पर निर्यात शुल्क बढ़ाया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार की इन सभी पहलुओं पर विचार करने के लिए नई राष्ट्रीय इस्पात नीति बनाने की योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) और (ख): जी नहीं। भारत वर्ष 2016-17 में इस्पात का एक शुद्ध निर्यातक था और वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) में भी यह स्थिति जारी है। ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

(एमटी में)

वर्ष	उत्पादन	आयात	खपत	निर्यात
2016-17 (अनंतिम)	100.74	7.23	83.65	8.24
2017-18(अप्रैल-जून)	26.17	1.71	21.01	2.04

(स्रोत: जेपीसी)

(ग) और (घ): इस्पात पर कोई निर्यात शुल्क नहीं है। लौह अयस्क पर लगने वाले निर्यात शुल्क में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

(ङ) और (च): सरकार पहले ही एक नई राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 अधिसूचित कर चुकी है जिसके ब्यौरे इस्पात मंत्रालय की वेबसाइट पर जनता के लिए उपलब्ध हैं।

*****